

16/12 पत्रावली पेश हुई। वकील ने अपील
 वकालत के दौरान वादी वकील ने निवेदन
 किया कि अकाउंट न हो तब तक निर्माण
 कार्य न करे। इसके अलावा प्रतिवादी
 वकील ने निवेदन किया कि निर्माण पूरे
 में ही हो चुका है। आवागमन का रास्ता
 बंद करना चाहते हैं। जल अयोग्य कर रहे।
 इसलिए प्रार्थना पत्र न I खारिज करने
 का निवेदन किया। इसके प्रत्युत्तर में
 वादी वकील ने निवेदन किया कि कोई
 कार्य निर्माण न करे। इसके प्रत्युत्तर
 में प्रतिवादी वकील ने निवेदन किया
 कि कोई छवि प्रधान देश है। खेतों
 में भक्षण बने हुए हैं।

विद्वान अधिवक्ताओं की वकालत पर
 मनन किया गया पूर्व पत्रावली का
 अवलोकन किया गया। अंतर्कार
 एक का दावा है। वादी के अनुसार
 वादीनी प्रतिवादी संरक्षा 01 की पुत्री है
 जो अकाली संतान है। जबकि
 प्रतिवादी के अनुसार वादीनी उनकी

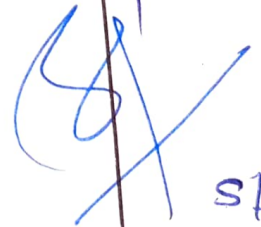
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील में जारी हुए

की संभावनाओं से इनकार नहीं
किया जा सकता है। इस प्रकार मुझे
का संतुलन भी प्रतिवादी के पक्ष में
फिरा है।

उपरोक्त विवेचन के परिणाम स्वरूप
प्रार्थना का प्रत्येक अवकाश
निषेधाज्ञा खारिज किया जाना न्यायोचित
प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थना पर 212 RT Act
न्यायोचित में खारिज किया जाता है।
पत्रावली फॉर्मल शुभारंभ होकर खारिज
से कम की जावे। संलग्न सुलवा है।



SDO